



किस्म वस्तुका	मालपोत	रटाम्य	रटाम्य फरीश	शब्द
बयनामा अराजी	1,49,062/-	18,690/-	खजाना गुडगाँवा	388

नोट:- यह अराजी किसी भी तरह पर नहीं लगती है
तथा इसका कोई सरकारी रेट सुकरर नहीं है

मनीक माधन सिंह पुत्र दया राम पुत्र जीत राम निवासी बाहुपुर तहसील व जिला
खैरत नं० 29 खैरत नं० 46 6

गुडगाँवा का हु जौक के अराजी जर्देनकोला नम्बरान	13	14	17	18	23/1
Mansum Singh	3-5	6-5	8-0	6-2	0-18

कुल रकबा 26 कनाल 10 मरले का 1/2 भाग बकदर 13 कनाल 5 मरले वाका सिवाना

मौजा बाहुपुर तहसील व जिला गुडगाँवा का बख्त जमाबन्दी साल सन 1983-84

Mansum Singh

[Handwritten signatures and stamps at the bottom of the page]

9840 13-3
 No. 1 Dated 9 March Rs. 5000/-
 Sold to Sh. Prakash Singh
 Resident of 186501 (Vat) 186501
 Thru. 186501
 For Sale of 186501
 In Favour of Prakash Singh
 District Treasurer
 GURGAON.

13/3/90

राज तिथि 20-8-90 अंग्रेज वसुधाविधि मंगलवाट
 29 जून 1911 मम
 11-12 को दिन के आ सात न सिट
 पत्र दया राम निवासी 8488

सात न सिट नाम
 Marnan Singh

वसुधाविधि वसुधाविधि हमारे सम्पत्ति
 वसुधाविधि वसुधाविधि वसुधाविधि
 वसुधाविधि वसुधाविधि वसुधाविधि

राजपते पौत्रिका राजा श्री सात न सिट काया
 ने बहोजी श्री सात न सिट काया
 पदकर वसुधा व वसुधाविधि
 वसुधाविधि वसुधाविधि वसुधाविधि
 वसुधाविधि वसुधाविधि वसुधाविधि
 वसुधाविधि वसुधाविधि वसुधाविधि

वसुधाविधि 86,125/- श्री सात न सिट काया
 सात न सिट काया 486834 16.
 15-3-90

राकल करसी नोट गिनकर सम्भालें शेष
 राकल करसी व वसुधाविधि
 ने वसुधाविधि वसुधाविधि वसुधाविधि
 वसुधाविधि वसुधाविधि वसुधाविधि
 वसुधाविधि वसुधाविधि वसुधाविधि
 वसुधाविधि वसुधाविधि वसुधाविधि

सात न सिट नाम
 Marnan Singh

सात न सिट काया 86,125/-
 सात न सिट काया 86,125/-



-12-

मालिक व काबिज हूँ। जोकि हर प्रकार के बार से पाठ व साफ है। इसकी बाबत आज तक जिले के साथ सौदा बंध आदि का नहीं किया है। इस पर कोई सरकारी या गैर सरकारी कर्जा या रहन का ब्यार नहीं है। इसकी बाबत कोई

Mamun Singh

7850

This is the part of No.....
Dated..... month Year.....

District Treasurer
GURGAON.

13/3/50

प. १

बख्शी सिंह लखनौ

Handwritten signature

प. २

मोहन



इसमें क्या जाता है कि फेरीकेन
न की बीमारी के निशान अंगुठों
हस्ताक्षर हमारे सामने कराये गए।

Handwritten signature

हस्ताक्षर
मोहन

मोहन लखनौ



-:3:-

मुझसे भी विचाराधीन नहीं है। इसकी बाबत कोई नोटिफिकेशन किसी प्रकार का नहीं हुआ है। यह मेरी खुद काइत है और मुझे इसे बच करने का पूर्ण हक हासिल है। इस अराजी से मुझे कोई आमदनी नहीं थी जब बहुत अच्छी कोमत

Morton Singh



-4-

मिल रही है व अराजों को लेकर किसी मांघ में अधिक चाही रक्कत खरोद कल्ला
 व दोगर अराजों का सुधार कल्ला व बच्चों को उच्च शिक्षा दूगा व उनकी शादी
 कल्ला जिससे परिवार की तरक्की होगी । अतः आज बदलतरी होश व हवास

Munon Singh



-:5:-

उपरोक्त अराजी तर्जअधिकार दाखली व छारजी व सुमला हक हकूक सहित बदले
 सुबोलन 1,49,882/- रुपये कि आये जितके 74,531/- रुपये होते है बदस्त प्रज्ञाना
 पुन अगोरे निवाली गाँव बामनोली तहसील महरौली सूबा दिल्ली बय व फरोहत

Mamun Singh



-:6:-

कर दी है । जोका मे से 62,937/- रुपये पहले वसूल पाये जाओ 86,125/- रुपये

दी गई आज राजस्थान लि० की रिली बिल न० 426834 दिनांक 15.3.90

स्वतः सब रजिस्टार साहब वसूल पाऊंगा । कडका अराजी मुद्दिया का खरोदार जो

Mamun Singh



-:7:-

देकर अपने जैसा मालिक व कांछन बना दिया है । खरोदार की मरजी होगी
जिस तरह चाहे काम में लावे इस बयनामे का तमाम खर्चा स्टाम्प पुल रजिस्टरी
आदि खरोदार ने लगाया है । इन्तकाल मन्जूर करा दूंगा वरना खरोदार की मेरी

Mamun Singh



-:8:-

गैर हाजरो मे इन्कजल मन्चुर कराने का हक हासिल होमा । उज अराजी
 मुबैया से मेरा व मेरे वारसान का कोई वास्ता व तात्बु नही रहा है अगर
 निमलिकता के सवाल पर अराजी मुबैया खरोदार से निफल जावेगो तो उस समय

Murran Singh



-:9:-

को कौमत् छर्वा व छर्वा अदा करने का मै द मेरे वारसान व मेरो जायदाद डर
प्रकार से जिम्मेदार होगो कोई शर्त वापसी द्य की नही है । आज तक के

Marian Singh



-210:-

समस्त टैक्स माल आदि के अदा करने का मैं जिम्मेदार हूँ। आज के बाद
 उत्तरी उत्तर जिम्मेदार होगा। अतः यह बयनामा मैंने व उत्तरी उत्तर ने व गवाहान

Marran Singh



- 11 -

ने सुन व समझ व पट लिखा है । अतः यह बयनामा लिख दिया कि समद

रहे तिथि:- २०^३/_१। गवाह:- श्री २९ रजत कं ५६ तहसील जिला है । Mamon Singh

SUSHIL K. SINGLA

B.A.L.L.B. Advocate

GURGAON.

Mamon Singh

मामन सिंह बाबा

गवाह:- बलबीर सिंह सहयोगीत गुडगाँवा

Mamon Singh

गवाह:- मोहन श. सुरतखर नि.

खजोली मुवा रिने

परीदार की तरफ से आर० सी० वर्मा

Mamon Singh

Dated.....

Diary

GURGAON

13/3/50

— 2 —

1944

1994-1995 2000-2001

सं. १०९७५

मि. प्र. वि. नं. १०११ पृष्ठ नं. १३-१३

विषकायै यथा जायते वहां न

जिल्हा नं. 434 पृष्ठ नं. 78

दिनांक 29.05.2018 को कार्य रजिस्टर किया गया

संयुक्त राज राजिन्द्राद
पुस्तकालय

Life

28/10/11

हमारे पास है ०

6

सदस्य

144

Copy no 5/rd

三國志卷之六十五

[illegible]

एकदो की को चाहिए कि इस स्थान पर कुछ धना जमा रकम के साथ गुप्तता का एक ही विवर में जोर न पड़े।